RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 14 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com Bharat samman Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-14 अंक-05 अम्बिकापुर, गुरूवार, 11 अप्रैल 2024 कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

काशी विश्वनाथ मंदिर से बड़ी खबर, अब पुजारी के वेश में तैनात रहेगी पुलिस, 'नो टच पॉलिसी' होगी लागू

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या रिकॉर्ड तोड़ बढ़ती ही चली जा रही है। इससे देश और दुनिया के कोने-कोने से आने वाले शिव भक्तों को न केवल धक्कम-धुक्की का सामना करना पड़ रहा था, बल्कि दुर्व्यवहार जैसी शिकायतें भी मिलनी शुरू हो गई थी। इस पर संज्ञान लेते हुए वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने यह निर्णय लिया कि पुजारियों के वेश में पुलिसकर्मियों के तैनाती बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में होगी।

श्रद्धालुओं को कोई ठेस न पहुंचे इसका रखा जाएगा ध्यान

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुजारी के वेश के अलावा पुलिसकर्मी अपनी वर्दी में भी तैनात रहेंगे। महिला पुलिसकर्मी खास तौर से महिलाओं को दर्शन के बाद आगे बढ़ते रहने के लिए अपील करेंगी। उन्होंने आगे बताया कि इस नए प्रयोग नो टच पॉलिसी का भी होगा, क्योंकि वीआईपी मूवमेंट के समय श्रद्धालुओं को आमतौर पर पुलिसकर्मी हटा देते हैं। इससे उनको ठेस पहुंचता है।

श्रद्धालुओं को गाइड करेंगे पुलिसकर्मी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालु पुजारी की बातों को सहज स्वीकार कर लेते हैं, इसलिए ऐसी जगह पर पुलिसकर्मी पुजारी के वेश में रहेंगे। उन्होंने बताया कि तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को गाइड करेंगे।

वीआईपी मूवमेंट के वक्त बनेगा घेरा

मोहित अग्रवाल का कहना है कि इसी से बचने के लिए बकायदे वीआईपी मूवमेंट के वक्त रस्सी से एक घेरा बनाया जाएगा। इससे श्रद्धालु खुद ब खुद बिना धक्का लगे दूर रहेंगे। इसके लिए मंदिर में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों की 3 दिनों की ट्रेनिंग होगी, क्योंकि थानों पर ड्यूटी से बिल्कुल अलग मंदिर पर ड्यूटी करना होता है।

यूपी में दहाड़े योगी- माफिया की पैंट हो गई गीली, निर्दोष को मारोगे, तो मिट्टी भी नसीब नहीं होगी

मेरठ। सीएम योगी बुधवार को मेरठ पहुंचे। यहां योगी ने कहा कि सरधना से पिछली बार जितने वोटों से बालियान जीते थे उससे अधिक वोटों से जिताने की जिम्मेदारी दे रहा हूं। जीतने के बाद सरधना आऊंगा और बैठकर चर्चा करूंगा। योगी ने कहा, सपा सरकार में एक दुर्दात माफिया था। जब वह चलता था, तो ष्टरू हो या मुख्य न्यायाधीश, सब रुक जाते थे। उसका काफिला पहले निकलता था। जब हमने उस पर एक्शन लेकर रगडकर कोर्ट के सामने पेश किया, तो उसकी पैंट गीली हो गई। तब उससे हमने कहा था कि कानून को रौंदने वाले आज देख लो कानून कितना बड़ा होता है। निर्दोष को मारोगे, तो मिट्टी भी नसीब नहीं होगी।

किसी माई के लाल में ताकत नहीं, जो सुरक्षा से खिलवाड़ करे

ष्टरूने कहा, जाति के सौदागर आपका उपयोग करेंगे फिर गायब हो जाएंगे। ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं। देश की एकता को इन्हीं लोगों के कारण खतरा आया है। जिन्होंने जाति के आधार पर सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया है। अब कोई माई का लाल सुरक्षा को छिन्न-भिन्न नहीं कर सकता। गुमराह करने वाले दोबारा नहीं आएंगे सीएम योगी ने इशारों में ही क्षत्रियों को उनका राजधर्म समझाते हुए आपसी कलह दूर करने की बात कह दी। कहा, सरधना तो वीरों की भूमि है। वीरता कभी कायरता नहीं दिखाती, वो साहस से सामना करती है। इसलिए मैं यहां आया हूं। मैं राजस्थान, महाराष्ट्र गया। अभी जम्मू-कश्मीर से आया हूं। मुझे और जगह भी जाना था। लेकिन मैं इसलिए यहां आपसे मिलने आया। जो लोग आपको गुमराह कर रहे हैं, वो दोबारा नहीं आएंगे। ये चार दिन के सौदागर हैं। हमें किसी भी ऐसे व्यक्ति के बहकावे में नहीं आना है।

केजरीवाल से तिहाड़ जेल में नहीं मिल पाए भगवंत मान और संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से पंजाब सीएम भगवंत मान और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह बुधवार को तिहाड़ जेल में नहीं मिल सके। आप ने कहा, ÷तिहाड़ जेल ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। मंगलवार को भगवंत मान और संजय सिंह का केजरीवाल से मिलने का समय तय हुआ था। अब, मिलने के लिए तिहाड़ जेल नए समय के बारे में जानकारी देगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन को सीएम केजरीवाल से मुलाकात का पत्र मिला था जिसपर तिहाड़ के डीआईजी जवाब देंगे। डीआइजी के जवाब से सुरक्षा के बारे में जानकारी मिलेगी और बैठक की कुछ तारीखें सुझायी जाएंगी। उसके बाद उन तारीखों पर अगर संजय सिंह और सीएम भगवंत मान चाहें तो सीएम केजरीवाल से मिल सकेंगे। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। सीएम केजरीवाल को कथित उत्पाद शुल्क घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

मंत्री ने दिया इस्तीफा

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होने के एक दिन बाद ही उनकी सरकार को एक और बड़ा झटका लगा है। बुधवार को दिल्ली सरकार के मंत्री राजकुमार आनंद ने पार्टी और केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी करप्शन के दलदल में फंस चुकी है। जाटव समुदाय से आने वाले राजकुमार आनंद ने कहा कि मैं सरकार और मंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं क्योंकि मैं इस भ्रष्ट आचरण में अपना नाम नहीं जुड़वाना चाहता। राजकुमार आनंद का आम आदमी पार्टी से इस्तीफा बड़ा झटका माना जा रहा है। वह पटेल नगर से विधायक हैं। विधानसभा के चुनाव के दौरान उन्हें 61 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। राजकुमार आनंद ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि वह नहीं समझते कि अब हमारे (दिल्ली सरकार) पास शासन करने की कोई नैतिक शक्ति बची है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने पे बैक टू सोसाइटी का जीवन मंत्र दिया था। उसी की वजह से मैं व्यापारी होते हुए भी एनजीओ में आया, एमएलए बना, जनप्रतिनिधि बना और मंत्री बना। उन्होंने कहा कि मैं समाज के लिए काम करने के लिए अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार के साथ जुड़ा था। दिल्ली सरकार बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की बात करती है। उनकी तस्वीरें विभिन्न कार्यालय में हैं। लेकिन, बाबा साहेब के बताए रास्ते पर नहीं चलते।

मशहूर फिल्म डायरेक्टर का निधन, फैंस में शोक की लहर

तिरुवनंतपुरम। मलयालम सिनेमा के प्रसिद्ध निर्देशक और निर्माता गांधीमथी बालन का बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने तिरुवनंतपुरम के स्थानीय अस्पताल में अंतिम सांस ली। निर्माता ने 66 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने इंडस्ट्री को कई शानदार फिल्में दीं। उनकी फिल्म निर्माण कंपनी का नाम गांधीमथी था और इस तरह उन्हें गांधीमथी बालन के नाम से जाना जाने लगा। बालन ने एक निर्माता के रूप में मलयालम फिल्म उद्योग में कदम रखा, जब वह केवल बीस वर्ष के थे और उन्होंने 'सुखामो देवी', 'पंचवड़ी पालम' और 'थुवनाथुंबिकल' जैसी कई अन्य हिट फिल्में दीं।उनकी फिल्मों का निर्देशन पद्मराजन, केजी जॉर्ज और जोशी जैसे जाने-माने फिल्म निर्माताओं ने किया था। गांधीमथी की कुछ सबसे सफल फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता मोहनलाल ने निर्माता के दुख व्यक्त किया और उन्हें अपना बड़ा भाई बताया। मोहनलाल ने कहा, वह अपनी फिल्मों के माध्यम से पैसा कमाने के लिए उत्सुक नहीं थे, बल्कि वह अपनी फिल्मों की गुणवत्ता के बार में ज्यादा ध्यान देते थे। मैं उन्हें हमेशा याद रखूंगा। मोहनलाल ने 30 से अधिक फिल्मों का निर्माण किया था, जिनमें 'एडमिन्टे वेरियेलु', 'पंचवडी पालम', 'मूनम पक्कम', 'थूवनथुंबिकल' और अन्य शामिल हैं।

चंडीगढ़ से किरण खेर, इलाहाबाद से रीता बहुगुणा जोशी का कटा टिकट

भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की एक और लिस्ट की जारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की. पार्टी ने चंडीगढ़ से मौजूदा सांसद किरण खेर को हटा दिया है और आगामी चुनाव में उनकी जगह संजय टंडन को मैदान में उतारा है. इसके अलावा इलाहाबाद से रीता बहुगुणा जोशी का भी टिकट कटा है. पार्टी ने उनकी जगह इस बार इलाहाबाद से नीरज त्रिपाठी पर भरोसा जताया है. आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ एसएस अहलुवालिया को उतारा गया है. इस लिस्ट में नौ उम्मीदवारों के नाम हैं. इनमें उत्तर प्रदेश की सात और पश्चिम बंगाल की आसनसोल और चंडीगढ़ सीट शामिल है. बीजेपी ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को बलिया से टिकट दिया है. समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव के सामने जयवीर ठाकुर को टिकट दिया है. वह इस समय यूपी की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं. वहीं गाजीपुर से मुख्तार अंसारी के भाई और सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी के सामने पारसनाथ राय को उतारा है. पार्टी ने फूलपुर से प्रवीण पटेल, कौशाम्बी से विनोद सोनकर, मछलीशहर से बीपी सरोज को मैदान में उतारा है.

संपादकीय

चीन का भारत के विरुद्ध संघषर्पूर्ण रवैया जारी

चीन ने भारत के विरुद्ध टकराव एवं संघषर्पूर्ण रवैया जारी रखते हुए अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों के नए नामों की चौथी सूची जारी की है। इससे जाहिर होता है कि इसने अपनी विस्तारवादी नीति का परित्याग नहीं किया है। चीन की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 9 मार्च को अरुणाचल प्रदेश की यात्रा के करीब एक पखवाड़े बाद आई है। हालांकि प्रधानमंत्री की इस यात्रा के समय ही चीन ने अपना राजनयिक विरोध दर्ज कराया था। मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया था। इस सुरंग से क्षेत्र में भारतीय सैनिकों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की प्रतिक्रिया को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। राजनयिक स्थिति यह है कि भारत तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है, लेकिन चीन अरुणाचल प्रदेश को विवादास्पद करार देता है। इसी आधार पर पिछले अनेक वर्षो से चीन की ओर से स्टेपल वीजा जारी किए जाते हैं। वस्तुतः चीन यह अपेक्षा रखता है कि समूची दुनिया उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करे, लेकिन विडंबना देखिए कि वह स्वयं दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान नहीं करता। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षो के घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि चीन ने दुनिया विशेषकर एशियाई देशों का सहयोग गंवाया है। जापान, दक्षिण कोरिया, वियेतनाम और कई आसियान देश दक्षिण चीन सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में चीन की दादागीरी को लेकर आशंकित हैं। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सेना के दुःस्साहस से उसने भारत का भी विश्वास खोया है। वस्तुतः अरुणाचल में चीन के अनधिकृत दावे से स्पष्ट होता है कि वह भारत को ऐसा देश समझता है, जिसे कभी भी नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन गलवान घाटी की घटना के बाद भारतीय खेमे में भी दृढ़ता आई है। चीन तिब्बत को अपना स्वायत्तशासी प्रदेश कहता है तथा भारत भी 'एक चीन नीति' के तहत ताइवान के साथ तिब्बत को चीन का हिस्सा स्वीकार करता है। आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है।

जांजगीर से अलग होते ही खत्म हुआ बसपा का वर्चस्व

कोरबा की राजनीति कांग्रेस और भाजपा में सिमटी

कोरबा। कोरबा छत्तीसगढ़ का महत्वपूर्ण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है. 2002 में गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद 2008 में जांजगीर लोकसभा क्षेत्र से अलग होकर यह संसदीय क्षेत्र अस्तित्व में आया. यहां पर 2009 में पहली बार लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। कोरबा की पहचान एशिया के सबसे बड़े खुले कोयला खदान गेवरा माइंस की वजह से भी है. यहां पर राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी और एनटीपीसी के अलावा कई निजी कंपनियों के विद्युत संयंत्र हैं. यहां भारत का सबसे बड़ा एल्युमिनियम संयंत्र भारत एल्युमिनियम कंपनी बालको भी है. यहां पर सतरेंगा पहाड़ और झील को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। कोरबा लोकसभा सीट पर करीब 13,40,544 लाख वोटर्स हैं. इनमें से 6,74,000 लाख पुरुष मतदाता हैं, जबकि 6,66,504 महिला वोटर्स हैं. जांजगीर लोकसभा क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी का अपना वर्चस्व हुआ करता था, आज भी बहुजन समाज के बड़ी संख्या में मतदाता है, लेकिन कोरबा के अलग से अस्तित्व में आने के बाद से राजनीतिक लड़ाई केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रह गई है।

2019 में ज्योत्सना ने लिया पति का बदला

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत को 5,23,310 (46 प्रतिशत) मत मिले थे, वहीं भाजपा प्रत्याशी ज्योति नंद दुबे को 4,97,061 मत मिले थे. इस तरह से कांटे के टक्कर में ज्योत्सना महंत महज 2.3 प्रतिशत मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी. चुनाव में गोडवाना गणतंत्र पार्टी (जनक) को 37,417 मत मिले थे, वहीं नोटा में 19.305 मत पड़े थे.

महज 0.4 प्रतिशत से हारे चरणदास महंत

इसके पहले वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के डॉ. बंशीलाल महतो ने कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. चरणदास महंत को महज 0.4 प्रतिशत मतों के अंतर से पराजित किया था. डॉ. महतो को 4,39,002 (41.7 प्रतिशत) मत पड़े थे. वहीं चरणदास महंत को 4,34,737 मत मिले थे. इस चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कांग्रेस का खेल बिगाडा था, जिसके प्रत्याशी हीरासिंह मरकाम को 52,753 मत पड़े थे।

बाजपेयी की भतीजी हार गईं चुनाव

वर्ष 2009 के चुनाव में 18 प्रत्याशियों ने इस सीट से भाग्य आजमाया। सात लाख 45 हजार 612 मतदाताओं ने मतदान किया. कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ चरण दास महंत को तीन लाख 14 हजार 616 वोट मिले. भाजपा की प्रत्याशी करुणा शुक्ला को दो लाख 93 हजार 879 वोट मिले और 20737 वोट से हार गईं। उन्हें कुल मत का 23.02 प्रतिशत मत मिला. इस चुनाव में केवल करुणा शुक्ला ही जमानत बचा पाई. शेष 16 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई.

सोशल एक्टिविस्ट ललेश ने अनोखे अंदाज में मनाया नवरात्र व हिंदू नववर्ष

कुड़ेकेला। चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष पर्व के शुभ अवसर पर देश भर में उत्साह का माहौल बना रहा। हिंदू देवीयों के मंदिर से लेकर हरेक नगर व कस्बों में त्यौहार की रौनक देखने को मिली। सभी लोगों ने सद्भावना पूर्वक हिंदू नववर्ष पर्व मनाया। इस कड़ी में रायगढ़ जिले के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गौ माता की सेवा कर चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष पर्व मनाया। छाल क्षेत्र के जाने माने सोशल एक्टिविस्ट लालेश अग्रवाल के द्वारा गांव के गौठान में गौ माता को भोजन कराकर नवरात्र पर्व एवं हिंदू नववर्ष की शुरुआत की गई। नववर्ष पर ललेश ग्राम कुड़ेकेला के गौठान पहुंचे। जहां उन्होने गौ माता की पूजा अर्चना कर उन्हे भोजन कराया। उल्लेखनीय है कि सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा एक समूह गठन कर उक्त गौठान का जीर्णोद्धार कराया गया। इसके साथ ही गांव के खुले में विचरण कर रहे मवेशियों को इकट्ठा कर उनका देख रेख करने बीड़ा भी संगठन ने उठाया और यह कार्य महीनों से अनावरत चल रहा है। वहीं, आज हिन्दू नववर्ष चैत्र नवरात्रि के अवसर पर हिन्दू धर्म मे जिन्हें माता का दर्जा देकर सम्बोधित करते हैं। उन गौ माताओ को गुड़ भूंसा खिलाकर नववर्ष मनाया साथ मे गांव के साथ क्षेत्र के लोगों से इस कार्य सहयोग करने की अपील भी की।

मोदी बायोटेक प्लांट में नियमों की उड़ रही धज्जियां

गांवों में गहराया जल संकट, जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश

आरंग। राजधानी रायपुर से लगे आरंग के समीप ग्राम पंचायत भिलाई और ओड़का की सीमा पर मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नामक एथेनॉल प्लांट विवादों में है. प्लांट की ओर से नियमों को ताक में रखकर काम करने का आरोप यहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि लगा रहे हैं. प्लांट में अनेकों खामियां है, उसके बाद भी प्लांट का चालू होना समझ से परे हैं।

ताजा मामला ग्राम पंचायत भिलाई,ओड़का सहित आसपास के क्षेत्रों में जलसंकट का है. प्लांट को शुरू हुए लगभग 6 माह हो चुके हैं, उसके बाद भी प्लांट में पानी की उचित व्यवस्था नहीं है. जानकारों की माने तो ऐसे बड़े-बड़े कारखानों में पानी की सप्लाई नदी-नालों के माध्यम से की जाती है, लेकिन मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से बोरवेल के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है. यहां लगभग 8 से 10 बोरवेल है, जिससे लगातार पानी की आपूर्ति की जा रही है. प्लांट में पानी के लिए बोर मशीन से 800 से 900 फिट तक खुदाई हुई है. इन बोरवेल से 24 घंटे लगातार पानी निकाला जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्र में जल संकट गहराता जा रहा है. किसानों की रबी फसल को भी इससे भारी नुकसान हो रहा है।

बढ़ते जलसंकट को देखते हुए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और ग्रामीणों ने जब प्लांट प्रबंधन को इससे अवगत कराने पहुंचे तो प्लांट में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उनसे मिलने नहीं आए. जनप्रतिनिधियों ने जब इसका विरोध किया तब एक कर्मचारी को उनसे बातचीत के लिए भेजा गया. काफी बहस और गहमागहमी से बाद जनप्रतिनिधियों ने पीएचई विभाग के एसडीओ दीपक कोहली के साथ प्लांट का निरीक्षण किया। वहीं ग्राम पंचायत भिलाई के सरपंच जयनारायण साहू ने बताया कि प्लांट लगने के पहले किसी भी प्रकार की जनसुनवाई नहीं हुई, जबकि कही भी इस तरह बड़े उद्योग, कारखाना स्थापित की जाती है तो जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन की ओर से ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई की जाती है। रायपुर जिला पंचायत सदस्य रानी पटेल ने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायत किया गया, लेकिन मोदी बायोटेक प्रबंधन की मनमानी लगातार जारी है. यहां हुए बोरवेल के कारण आसपास के गावों में जल संकट गहरा गया है. यहां के खराब अपशिष्ट पदार्थ, निस्तारी नाले में बहाया जा रहा है, जिसके कारण पानी दूषित हो गया है और इसको पीने से जानवरों की मौत भी हो चुकी है. साथ ही पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से आरंग से नयापारा मुख्यमार्ग पर भारी वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं जनपद सदस्य प्रतिनिधि रिंकू चंद्राकर ने मोदी बायोटेक प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए है. उन्होंने बताया कि प्लांट के लिए वैधानिक रूप से ह्हष्ट नहीं लिया गया है. प्लांट प्रबंधन ने गोलमोल तरीके से कोटवार की जमीन को रजिस्ट्री करवा लिया है. साथ ही शासकीय जमीन को भी कब्जा कर लिया गया है. जब भी यहां कोई ग्रामीण, किसान या जनप्रतिनिधि अपनी समस्या लेकर आता है तो उसे सुना नहीं जाता, उल्टा उनके साथ दुर्व्यहार किया जाता है, उनको धमकियां दी जाती है.

वहीं इस पूरे मामले में मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी प्रबंधन की ओर से अपना पक्ष रखने कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मीडिया के सामने नहीं आया.

अंतरराज्यीय चोर गिरोह गिरफ्तार, 35 बाइक बरामद

साप्ताहिक बाजार और सूने मकानों को बनाते थे निशाना

कोंडागांव। अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह को पकड़ने में कोण्डागांव पुलिस को सफलता मिली है. इन आरोपियों से करीब 20 लाख के 35 बाइक बरामद किया गया है. ये शातिर चोर साप्ताहिक बाजार एवं सूने मकानों को निशाना बनाते थे.

पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने जिला कोण्डागांव अन्तर्गत होने वाले चोरी को रोकने एवं पूर्व में हुए चोरी के आरोपियों को पकड़ने निर्देशित किया था, जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव रूपेश कुमार डाण्डे के मार्गदर्शन में सायबर सेल एवं थाना विश्रामपुरी की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की. जिला कोण्डागांव में हुए चोरी के आरोपियों को पकड़ने लगातार कोण्डागांव पुलिस द्वारा प्रयास किया जा रहा था, मुखबीर ने बताया कि बाइक चोर गिरोह के सदस्य छत्तीगढ़ से मोटर सायकल चोरी करके उड़ीसा में बेच रहे हैं. सूचना के आधार पर तुलसी राम साहू पिता लक्ष्मीनाथ साहू उम्र 55 वर्ष जाति तेली साकिन कुंदई नवापारा थाना कुंदई जिला नवरंगपुर उड़ीसा एवं सुखनाथ मरकाम पिता जयराम मरकाम उम्र 32 वर्ष साकिन कुंदई नवापारा थाना कुंदई जिला नवरंगपुर उड़ीसा को एसडीओपी केशकाल भुपतसिंह धनेश्री के नेतृत्व में थाना विश्रामपुरी एवं सायबर सेल कोण्डागांव की टीम ने उड़ीसा के कुदंई में 03 दिनों तक कैम्प कर कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा सीमा से लगे क्षेत्रों के साप्ताहिक बाजार एवं सुने मकानों से डूप्लीकेट चाबी के माध्यम से मोटरसायकल को चालू कर चोरी करना स्वीकार किये तथा चोरी की बाइक को उड़ीसा में बेचना बताये. आरोपियों की निशानदेही पर उड़ीसा के कुंदई, रायघर, उमरकोट क्षेत्र से कुल 35 नग चोरी के मोटरसाइकिल बरामद किया गया, बरामद मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपए बताया जा रहा है। पूर्व में प्रार्थी श्यामलाल सेठिया निवासी बड़ागांव थाना विश्रामपुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि विश्रामपुरी के वार्षिक मेला में उसका हिरो डीलक्स मोटरसाइकिल को किसी व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है. रिपोर्ट पर थाना विश्रामपुरी में अपराध क्रमांक 30/2023 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था तथा चैतराम नेताम पिता मानसिंह नेताम निवासी उड़ीदगांव पटेल पारा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि उसके घर से बाइक की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है. इस रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 06/2024 धारा 379 भादवि पंजीबद्ध कर आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। आरोपियों के कब्जे से दोनों प्राथियो के चोरी हुए मोटरसाइकल बरामद होने के साथ साथ अन्य जगहों से चोरी हुए 35 नग मोटरसाइकिल को बरामद किया गया. जब्त वाहन स्वामी की पता साजी के लिए सर्व दीगर थाना को सूचना भेजी गई है।

ये है आरोपियों के नाम

तातुराम यादव पिता स्व. नवलू राम यादव कुंदई नवरंगपुर उड़ीसा

तुलसी राम साहू पिता लक्ष्मीनाथ साहू कुंदई नवरंगपुर उड़ीसा

सुखनाथ मरकाम पिता जयराम मरकाम कुंदई जिला नवरंग पुर उड़ीसा

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, गुरूवार, 11 अप्रैल 2024

राजधानी में बाइक तो बलौदाबाजार में ट्रैक्टर पर सवार होकर वोटर्स को जागरूक करने निकले कलेक्टर साहब

रायपुर। लोकतंत्र के महापर्व यानी लोकसभा चुनाव को कुछ दिन बाकी रह गए है. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेशभर में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में बुधवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत रैली का आयोजन किया गया. इस दौरान राजधानी रायपुर में लोकसभा निर्वाचन 2024 के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह के नेतृत्व में बाइक रैली निकाल कर आम नागरिकों से मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की गई।

रायपुर के कलेक्ट्रेट चौक से नालंदा परिसर तक निकली गई इस बाइक रैली में एसपी संतोष सिंह समेत निर्वाचन आयोग के कई अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने लोगो को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए प्रेरित किया. इस दौरान लोग अपने-अपने दो पहिया वाहनों में 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' का स्लोगन लिखे हुए स्टिकर लगाकर रैली में शामिल हुए।

मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबा कंगाले में कहा कि बीते कुछ लोकसभा चुनावों में देख गया है कि विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान में 5 से 6 प्रतिशत की गिरावट आती है, पीछले बार भी यही ट्रेंड देखने को मिला था. लेकिन इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए गली-मोहल्लों में पहुंचने की कोशिश होगी।

संवेदनशील मतदान केंद्रों में हेलीकॉप्टर से भेजे जाएंगे मतदान कर्मी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा कंगाले ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल बस्तर में मतदान होना है. इस बार विश्वास है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा. लोकसभा क्षेत्र में 126 मतदान केंद्र स्थापित किए है. इनमें कुछ मतदान केंद्र सुदूर अंचल में भी स्थापित किये गए है. उन्होंने बताया कि प्रदेश संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों में मतदान कर्मियों और जवानों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से भेजा जाएगा।

बलौदाबाजार में निकाली गई ट्रैक्टर रैली

बलौदाबाजार में मतदाता जागरुकता अभियान के स्वीप कार्यक्रम के तहत निकाली गई रैली के दौरान जिले के लोगो ने आज नवपदस्थ कलेक्टर केएल चौहान का अनोखा अंदाज देखा. जिन्होंने खूद करीब ट्रैक्टर चलाकर इस रैली का नेतृत्व किया और आने वाले लोकसभा चुनाव मे अधिक से अधिक संख्या में लोगों से मतदान करने की अपील की. इस दौरान कलेक्टर के साथ जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल, एसडीएम अमित गुप्ता, तहसीलदार राजू पटेल, डीएसपी निधि नाग सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे. रैली में ग्रामीण, किसान, मनरेगा के मजदूर, स्काउट गाइड के बच्चे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी सहित प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए. ट्रैक्टर रैली में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक झलक के साथ मतदान की अपील करते शामिल लोग दिखाई दिए.

ग्रामीणों ने रैली का किया स्वागत

बता दें कि ट्रैक्टर रैली जिला मुख्यालय में स्पोर्ट्स स्टेडियम परिसर से प्रारंभ होकर, गौरव पथ, बस स्टैंड, अंबेडकर चौक होते हुए लवन रोड की तरफ पनगांव बाय पास से सकरी बाय पास होते हुए पुनः अंबेडकर चौक, बस स्टैंड, गार्डन चौक के रास्ते वापसी होते हुए कलेक्टोरेट चौक से स्पोर्ट्स स्टेडियम में ही समाप्त हुई. इस दौरान रैली ने करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय की. रैली के दौरान सकरी बायपास के पास ग्रामीणों ने रैली में भाग लेने वालों को रोककर पानी भी पिलाया. ग्रामीणों के ओर से हरकिशन वर्मा ने कहा कि ये पहले कलेक्टर है जो इतनी भीषण गर्मी में टेक्टर चलाकर लोगों से मतदान की अपील कर रहे हैं. निश्चित ही लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता आयेगी और अधिक संख्या में मतदान करेंगे। बलौदाबाजार कलेक्टर केएल चौहान ने बताया कि वह स्वयं किसान परिवार से है और पहले भी टेक्टर चला चुके है. आज का उद्देश्य था कि लोग मतदान करने अधिक से अधिक संख्या में आए. चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है, मतदान कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा हो गया है और हम अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें इसको लेकर लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहे हैं. जिसके तहत आज टेक्टर रैली का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री साय की गुरुजीभाठा में होने वाली सभा पर भारी यह टोटका

पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी और रमन सिंह का भी जादू जहां हुआ था फेल

सीएम साय कांदाडोंगर की दिशा में मुंह किए गए मंच से मांगेंगे वोट

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को बिंद्रानवागढ़ विधान सभा क्षेत्र के गुरुजीभाठा में चुनाव प्रचार अभियान के तहत सभा लेने पहुंच रहे हैं. गुरुजीभाठा में सीएम साय कांदाडोंगर की दिशा में मुंह किए गए मंच से लोकसभा प्रत्याशी के लिए वोट मांगेंगे. मान्यता है डोंगर के विपरीत दिशा में बनाया मंच हार का कारण बनता है।

सह प्रभारी नरोत्तम साहू ने बताया की सभा 12 बजे से है. सभा में भाजपा की प्रत्याशी रूप कुमारी चौधरी भी मौजूद रहेंगी. अपको बता दे कि इस सभा के लिए इस बार संगठन ने मुख्य मंच का मुंह कांदाडोंगर की ओर किया है. कहा जाता है कि इस डोंगर में मां कुलेश्वरिन देवी का वास है. मंच डोंगर के विपरीत होने से उसका परिणाम भी विपरीत आता है।

मंच बनाने से पहले डोंगर मंदिर पुजारी मोहित यादव ने इस बात को पार्टी के समक्ष रखा था. मोहित भाजपा मंडल गोहरापदर के महामंत्री होने के साथ-साथ गोलामाल शक्ति केंद्र प्रभारी भी हैं. मोहित का दावा है कि विधानसभा चुनाव के समय असम सीएम हिमंता विश्वा सरमा के सभा में रिकार्ड भीड़ जुटी, मंच का मुंह डोंगर के विपरीत था, इसलिए जुटी भीड़ मतों में तब्दील नहीं हो सकी. भाजपा को लीड देने वाले इन क्षेत्रों के बूथ में बढ़त घट गई, जिसके कारण बिंद्रा नवागढ़ भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन मांझी जीत के करीब पहुंचते-पहुंचते 850 मतों से हार गए. अब आयोजन की तैयारी संभाल रहे गोवर्धन मांझी का भी मानना है कि उनकी हार के पीछे कहीं न कहीं मंच की दिशा का विपरीत होना भी एक बड़ी वजह था, जिसकी वजह से अब मंच की दिशा बदली जा रही है।

लहर के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी की हुई थी हार

2018 के चुनाव में पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल था, परिणाम भी माहौल के अनुरूप आया. लेकिन बिंद्रा नवागढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी संजय नेताम की हार हुई थी. बताया जाता है गुरुजीभाठा के इसी स्थल पर राज बब्बर सभा संबोधन के लिए पहुंचे थे. इस सभा में मंच का मुंह डोंगर के विपरीत था. इसी तरह 2013 के चुनाव में रमन सिंह की इसी स्थान की सभा के मंच को डोंगर की दिशा में किया गया था, इस चुनाव में गोवर्धन मांझी रिकार्ड मतों से जीत दर्ज किए थे।

सत्ता से उतरे तो जोगी का रूट बदला गया

आस्था के केंद्र कहे जाने वाले कांदा डोंगर से एक और चुनावी किस्सा चर्चा में रहता है. सभा लेने देवभोग पहुंचे तत्कालीन सीएम अजीत जोगी का हेलीकॉप्टर कांदाडोंगर के ऊपर से गुजर कर आना-जाना किया था, इसलिए उन्हें कुर्सी से उतरना पड़ा था. इसके बाद हुए हर दौरे में राजनेताओं ने डोंगर के रूट को बदल दिया. कृषि मंत्री रहते तत्कालीन सीएम रमन सिंह के दूसरे कार्यकाल में झाखर पारा कृषक सम्मेलन में पहुंचे चंद्र शेखर साहू ने भरी सभा में इसकी जानकारी देकर चुटकी भी ली थी।

रिटायर्ड शिक्षक दंपती ने मेडिकल कॉलेज को देहदान करने का लिया फैसला

कहा -मरने के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र में काम आएगा शरीर

सूरजपुर। शिक्षा का महत्व जीवन में अमूल्य है, जीवित रहते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सुभाष पांडे का शिक्षा के प्रति ऐसा अदभुत प्रेम है कि मृत्यु के बाद अपने शरीर को शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित कर देने का फैसला लिया है. सूरजपुर के सेवानिवृत शिक्षक ने अपने 40 वर्ष शिक्षा क्षेत्र को दिए और अब वह और उनकी धर्म पत्नी ने मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए देह दान करने का निर्णय लिया है।

सूरजपुर के पचिरा गांव में रहने वाले रिटायर शिक्षक सुभाष चंद्र पांडे और उनकी धर्म पत्नी ज्ञानवंती पांडे ने मृत्य के बाद देहदान करने का फैसला कर समाज को प्रेरणा देने का काम किया है. शिक्षक सुभाष चंद्र पाण्डेय को बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने को लेकर काफी लगन रहा और शिक्षा प्राप्त करके सन् 1984 से 40 वर्ष तक शिक्षक के तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देते हुए जनवरी 2024 में वह रिटायर हुए. वहीं 40 वर्ष में विभिन्न स्कूलों में कई पदों पर रहते हुए एक दिन का भी छुट्टी नही लिया और पूरी ईमानदारी के साथ छात्रों को शिक्षा देते रहे. वहीं 40 वर्ष शिक्षा के क्षेत्र को देने के बाद भी शिक्षा प्रति उनका ऐसा समर्पण की रिटायर होने के बाद कई रातों तक सो नहीं सके और उनके मन में बस बच्चों के भविष्य की चिंता रहती थी. शिक्षा के साथ समाज के प्रति भी उनका एक अलग ही

सोच है, जिसके लिए उन्होंने अपने मरने के बाद भी उनका शरीर शिक्षा के क्षेत्र में काम आए इसलिए उन्होंने मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर को देहदान करने का फैसला लिया। वहीं शिक्षक सुभाष चंद्र पांडे ने तो बहुत पहले से ही देहदान का मन बना लिया था पर उनकी पत्नि पहले सहमत नहीं थी, लेकिन पति के शिक्षा के प्रति अदभुत प्रेम को देख कर और शिक्षा के प्रति उनके विचारों को समझा और पत्नि ज्ञानवंती पाण्डेय के भी सोच में अचानक परिवर्तन आया और रिटायर होने के बाद पति को उनके देह दान के फैसले को पूरा करने के लिए प्रेरित किया. साथ ही खुद भी पति के साथ देहदान करने का फैसला कर लिया. उन्होंने बताया, इनकी दोनों बेटियां भी माता पिता के इस फैसले पर गौरवान्वित है।

वहीं देहदान को लेकर दोनों पति पत्नी ने मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर जाकर प्रक्रिया पूरी कर घोषणा पत्र भरा है. वहीं उन्हें मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की ओर से सम्मान पत्र भी दिया गया है. वहीं सेवानिवृत शिक्षक सुभाष चंद्र पाण्डेय का कहना है कि आज मेरी पहचान जो भी है शिक्षा देने की वजह से है. मैने जो अपने जीवन के 40 वर्ष शिक्षा के क्षेत्र को दिए हैं उससे है. शरीर से जब आत्मा निकल जाएगी तो वो किसी काम का नहीं, शव को जला देने से मै समाज को कोई संदेश नहीं दे पाऊंगा. जैसे मैंने जीवित रहते अपना जीवन शिक्षा के क्षेत्र को दिया वैसे ही मृत्य के बाद भी यह शरीर शिक्षा को समर्पित हो और चिकित्सा के छात्रों के काम आए और शरीर से शोध कर समाज को ज्ञान बांट सकें. वहीं लोगों में भी एक संदेश जाए और साथ ही देहदान के लिए लोग प्रेरित हों।

बहरहाल सेवानिवृत शिक्षक सुभाष पाण्डेय और उनकी धर्म पत्नी ज्ञानवंती पाण्डेय के मेडिकल कॉलेज को देहदान करने के फैसले से निश्चित ही मृत्युपरांत उनका शरीर चिकत्सा के क्षेत्र में काफी उपयोगी साबित होगा और आने वाली पीढ़ी शोध कर कुछ सीखेंगे और समाज में ज्ञान बांटेंगे. साथ ही इनका देहदान का फैसला समाज में एक मिसाल और प्रेरणा से कम नहीं है।

केदार कश्यप ने कवासी लखमा को बताया 'छत्तीसगढ़ का राहुल गांधी'

रायपुर। मंत्री केदार कश्यप ने कवासी लखमा को 'छत्तीसगढ़ का राहुल गांधी' करार दिया है. इसके साथ ही उन्होंने 4 जून को लोकसभा चुनाव परिणाम आने के साथ ही कांग्रेस पार्टी के अंतिम संस्कार की बात कही है। मंत्री केदार कश्यप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कवासी लखमा का वीडियो पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस पार्टी में नेता नहीं नमूने भरे पड़े हैं. मोदी जी के ऊपर कांग्रेसियों का प्रहार करना और जनता का मोदी जी पर सत्कार करना बढ़ता रहेगा. कांग्रेसियों को समझ आ गया है कि कांग्रेस पार्टी मरणासन्न अवस्था पर है. 4 जून को कांग्रेस पार्टी का अंतिम संस्कार किया जाएगा.

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, गुरूवार, 11 अप्रैल 2024

कुम्हारी बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू, दुर्ग तहसीलदार पहुंचे केडिया डिस्टलरी, मृतकों की संख्या में हुई बढ़ोतरी

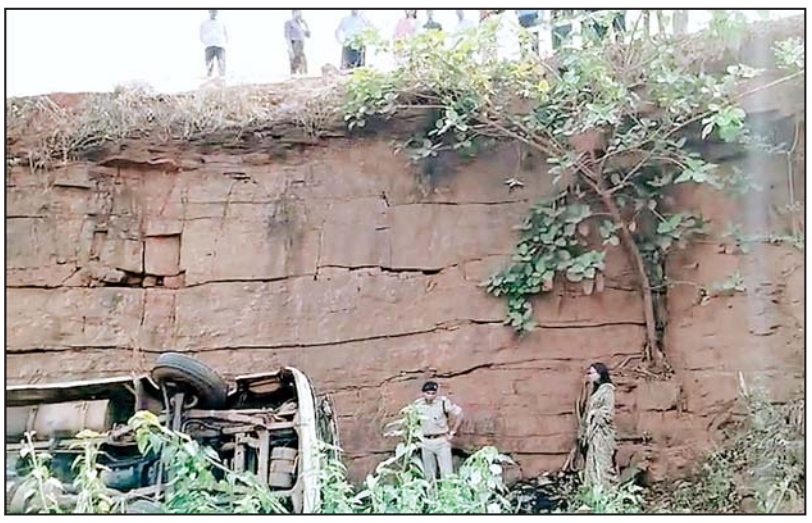

दुर्ग/रायपुर। कुम्हारी में बीती रात हुए बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है. कल रात दुर्ग कलेक्टर के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के बाद आज तहसीलदार जांच करने केडिया डिस्टलरी पहुंचे। घटना स्थल पर कलेक्टर, एसपी समेत कई अधिकारी मौजूद थे। बता दे कि कल देर रात कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी में काम करने वाले 40 कर्मचारियों को लेकर एक बस डिस्टलरी से खपरी की ओर जा रही थी. इसी बीच अचानक बस अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरी मुरुम खदान में गिर गई, जिसमें मौके पर ही 6 लोगों ने जान गंवा दी. वहीं आज एक और घायल की मौत होने से मरने वालों का आंकड़ा 13 तक पहुंच चुका है. वहीं लगभग 15 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृत हुए सभी कर्मचारियों के शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल एवं 3 मृतकों के शवों को जिला अस्पताल के मर्च्यूरी में रखा गया है. सुबह से ही जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंच चुके हैं, जिसमें मजिस्ट्रेट के सामने सभी शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है. कुछ मृतक के परिजन शव को लेने से इनकार कर रहे थे।

घायलों से मिलने एम्स पहुंचे मुख्यमंत्री साय, कहा- बख्शे नहीं जाएंगे घटना के दोषी

रायपुर। कुम्हारी में बीती रात हुए बस दुर्घटना के घायलों से मुलाकात करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एम्स पहुंचे। केडिया डिस्टलरी के घायल कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना, इसके साथ ही बेहतर से बेहतर इलाज के लिए एम्स प्रबंधन को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घायलों से मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा में घटना को दुखद बताते हुए कहा कि घटना होते ही प्रशासन-शासन की टीम मौके पर रात से मौजूद रही. उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कल रात में ही एम्स पहुंच चुके थे. प्रधानमंत्री राज्यपाल ने इस घटना पर संवेदना व्यक्त की है. बेहतर से बेहतर इलाज के लिए एम्स को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनी ने मृतक के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए मुआवजा राशि की घोषणा की है. साथ ही साथ मृतक के परिवार में से एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी. घायलों के बेहतर इलाज के लिए कंपनी और सरकार खर्च वहन करेगी. उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच की घोषणा की गई है. जांच रिपोर्ट आने के बाद जो कोई भी दोषी होगा, उसे बक्शा नहीं जाएगा. इस तरीके की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इस पर विचार किया जाएगा।

गृहमंत्री विजय शर्मा पहुंचे कुम्हारी, घटनास्थल का किया निरीक्षण

दुर्ग। गृहमंत्री विजय शर्मा कल रात हुए बस हादसे का निरीक्षण करने बुधवार को कुम्हारी पहुंचे. दुर्ग रेंज आईजी और संभाग कमिश्नर ने बस हादसे की जानकारी गृहमंत्री को दी थी. इसके बाद आज गृहमंत्री शर्मा घटनास्थल पहुंचे और खदान के ऊपर सड़क और नीचे खदान में गिरी बस का निरीक्षण किया। इस दौरान इंटर डिपार्टमेंट लिड एजेंसी रोड सेफ्टी के अधिकारी एआईजी संजय शर्मा भी मौके पर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि मंगलवार देर रात कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी में काम करने वाले 40 कर्मचारियों को लेकर एक बस डिस्टलरी से खपरी की ओर जा रही थी. इसी बीच अचानक बस अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरी मुरुम खदान में गिर गई, जिसमें मौके पर ही 6 लोगों ने जान गंवा दी. वहीं आज एक और घायल की मौत होने से मरने वालों का आंकड़ा 13 तक पहुंच चुका है. वहीं लगभग 15 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृत हुए सभी कर्मचारियों के शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल और 3 मृतकों के शवों को जिला अस्पताल के मर्च्यूरी में रखा गया है. सुबह से ही जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंच चुके हैं, जिसमें मजिस्ट्रेट के सामने सभी शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है. कुछ मृतक के परिजन शव को लेने से इनकार कर रहे थे।

एम्स की पूरी टीम उपचार में लगी

एम्स के डायरेक्टर अशोक जिंदल ने बताया कि कुम्हारी हादसे में घायल 10 मरीज भर्ती हैं. दो की हालत गंभीर है. एक पेशेंट के मस्तिष्क में चोट लगने के कारण काफी सीरियस है. चार को आज डिस्चार्ज किया जा सकता है. माइनर सर्जरी के बाद दो-चार दिन में सबको डिस्चार्ज किया जाएगा. एम्स की पूरी टीम घायलों के उपचार में लगी है।

सीएम विष्णुदेव साय ने मंडला में बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में की जनसभा

कहा- जनता का विश्वास खो चुकी है कांग्रेस

मंडला। लोकसभा चुनाव के पहले फेज का चुनाव 19 अप्रैल को होगा. मध्य प्रदेश में सियासी बिसात बिछ चुकी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी के दिग्गज नेता ताबड़तोड़ जनसभाएं कर रहे हैं. इसी बीच भाजपा के स्टार प्रचारक एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंडला पहुंचे. जहां उन्होंने आदिवासी वोटरों को साधने के लिए विधानसभा बिछिया और डिंडोरी में चुनावी सभा को संबोधित किया।

मंडला जिला के बिछिया विधानसभा क्षेत्र की ग्राम सलवाह में बीजेपी प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते के समर्थन में विष्णुदेव साय ने जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने मंच से मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल की जमकर तारीफ की और तीसरी बार पुनः जिताने के लिए मंच से अपील की. उन्होंने कहा कि भाजपा देश की आवश्यकता है. देश को विश्व गुरु सोने की चिड़ियां बनाना है। साय ने कहा कि मोदी ने गरीब तबके के लोगों को बहुत कुछ दिया है. तीसरी बार जनता मोदी को देखना चाहती है. वहीं कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते कहा कि कांग्रेस लोगों का विश्वास खो रही है. लगातार बिखराव की स्थिति है. बड़े बड़े नेता कांग्रेस छोड़ बीजेपी में आ रहे हैं. वहीं मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ मे धर्मांतरण पर कहा कि सामाजिक रूप से हम जागरूकता लाएंगे और सरकार में भी कड़े कानून होंगे।

बस्तर कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

बीजेपी ने की चुनाव आयोग से शिकायत

रायपुर। भाजपा ने पूर्व मंत्री और वर्तमान बस्तर कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है. इसको लेकर बीजेपी संगठन के लोग आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और कवासी लखमा के खिलाफ शिकायत किए हैं। बीजेपी के संगठन महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि लगातार कांग्रेस हार के बौखलाहट में विकृत मानसिकता वाले बयान दे रही है, जो हेट स्पीच के अंतर्गत आता है. पहले नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिए, जो उनके गरिमा के अनुरूप नहीं करता है, अब बस्तर के कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने जो बयान दिया है, उसके खिलाफ आज शिकायत की गई है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कवासी लखमा ने स्थानीय भाषा में जो कहा उसका अर्थ होता है कवासी जीतेगा नरेंद्र मोदी मरेगा, इस तरह प्रधानमंत्री के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग किया गया है, हिंसा बढ़ाने के लिए कोशिश की जा रही है. कवासी लखमा ने एक स्थानीय कार्यकर्ताओं और जनता से कहा कि पुलिस को तीर धनुष से मारने के लिए हिंसा करने के लिए प्रेरित किया गया है, जिसके खिलाफ आज शिकायत की गई है और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। बीजेपी संगठन महामंत्री ने कहा कि हम लोगों ने मांग की है कि ऐसा हिंसा भड़काने की बात करने वाले, बार-बार आचार संहिता के उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी को चुनाव लड़ने नहीं दिया जाए. कवासी लखमा की ओर से चुनाव प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिस पर रोक लगाया जाए, जिससे निष्पक्ष चुनाव हो सके। उन्होंने बताया कि इन्ही मांगों को लेकर आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है और तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से आश्वास्त किया गया है कि कार्रवाई की जाएगी।

मटन दुकान में घुसे चोर ने बकरी के साथ बनाया अप्राकृतिक संबंध

चिल्लाने पर गर्दन मरोड़कर मार डाला

सूरजपुर। जिले के बिश्रामपुर से बेजुबान से रेप का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां मटन दूकान में चोरी की नियत से घुसे एक चोर को जब कुछ चुराने को नहीं मिला तो उसने वहां मौजूद बकरी को अपनी हवस का शिकार बना लिया. उस चोर की हैवानियत यहीं पर खत्म नहीं हुई, बकरी के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के दौरान जब वह चिल्लाने लगी तो चोर ने उसकी गर्दन मरोड़कर उसे मार डाला. मालिक की रिपोर्ट पर सूरजपुर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मिले सबूत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम शिवनंदनपुर भाथूपारा निवासी जाहिद कुरैशी पिता अलाउद्दीन कुरैशी 53 वर्ष की बिश्रामपुर साप्ताहिक बाजार में मटन की दुकान और कमरा है. वह 8 अप्रैल को 1 नग बकरा और 4 नग बकरी को कमरे में बांधकर शाम 7.30 बजे घर चला गया था. 9 अप्रैल की सुबह वह दुकान पहुंचा तो देखा कि दरवाजे का ताला और कुण्डी टुटी हुई है. वह दुकान के भीतर गया तो एक बकरी मरी पड़ी थी. फिर उसने बगल घर में लगे सीसीटीव्ही फुटेज को देखा तो एक व्यक्ति सब्बल लेकर दुकान के अंदर घुमता दिखाई पड़ा. पड़ोसियों ने उसकी शिनाख्त फोकटपारा निवासी मुन्ना उर्फ एक्का पैकरा के रूप में की.

पीएम रिपोर्ट में अप्राकृतिक कृत्य की पुष्टि

दूकान मालिक की रिपोर्ट पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू की. इस दौरान पुलिस द्वारा मृत बकरी का पशु चिकित्सा अधिकारी से पोस्टमार्टम कराया गया. डॉक्टर द्वारा बकरी की मौत अप्राकृतिक यौन संबंध और गर्दन के टूटने से होने की पुष्टी की, जिसके बाद पुलिस आरोपी मुन्ना पैकरा उर्फ एक्का उर्फ नानु पिता झंदरू 21 वर्ष को उसके घर से गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547